शीतकालीन परिस्थितियों में खेती के लिए कम ऊँचाई वाले सुरंग (लो-टनल)

कम ऊँचाई वाले सुरंग (लो-टनल) एक ग्रीन हाउस के प्रकार का वातावरण प्रदान करने वाला एक लघु ढांचा है। इन टनलों में कार्बन डाइआक्साइड का सचंयकरण होता है, जिससे पौधों की प्रकाश संश्लेशण क्रिया में वृद्धि होती है जो पैदावार बढ़ाने में सहायक होती है। इन ढांचों से पौधों की तेज हवा, बारिश तथा बर्फ व पाले से भी रक्षा होती है। सस्ता होने के अलावा इसे तैयार करना और हटाना काफी आसान होता है।

लाभ

- तेज हवा व वर्षा के विरूद सुरक्षा।
- शीघ्र एवम् अगेती अंकुरण।
- कार्बन डाइऑक्साइड स्तर में वृद्धि।
- गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री तैयार करने में सहायक।

फसलों के संरक्षण हेतु नेट

कीमती फसलों जैसे अंगूर, खजूर, पौध सामग्री तथा सब्जियों को ढकने के लिए एल.डी.पी.ई. या नायलॉन के बने हल्के प्लास्टिक नेट का व्यापक रूप से इस्तेमाल होता है।

नेट का लाभ

फसलों की पक्षियों, कीड़ों, ओला तथा गर्मी के मौसम में सूर्य की किरणो की प्रचण्डता से बचाव के लिए नेट का प्रयोग होता है।

Printed at SHIVA OFFSET PRESS, Dehradun Ph. 0135-2715748

DEPARTMENT OF HORTICULTURE & FOOD PROCESSING, CIRCUIT HOUSE, Dehradun (Uttarakhand) INDIA
Horticulture Mission for North East & Himalayan States, Uttarakhand | E-mail: missionhortiuk@gmail.com | Ph: 0135-2754961
For further details contact: Dr. Surbhi Pandey, Coordinator (HMNH) | E-mail: surbi_pandey@yahoo.com